भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.02.2026 के
तारांकित प्रश्न सं. 165 का उत्तर

कोहरे के कारण रेलगाड़ियों के परिचालन में कठिनाइयां

***165. श्री जय प्रकाश:**
श्री सतपाल ब्रह्मचारी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि शीत ऋतु के दौरान घने कोहरे के कारण उत्तर रेलवे के अंतर्गत हरियाणा, विशेष रूप से हिसार, हांसी, सोनीपत और जींद जिलों से गुजरने वाली रेलगाड़ियों के परिचालन में बार-बार विलंब, रद्द होने और सुरक्षा संबंधी कठिनाइयां उत्पन्न हो जाती हैं;
(ख) यदि हां, तो वर्ष 2021 से अब तक उक्त जिलों में कोहरे के कारण प्रभावित रेलगाड़ियों की संख्या सहित विलंबित, आंशिक रूप से रद्द की गई और पूरी तरह से रद्द की गई रेलगाड़ियों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या कोहरे की स्थिति में यात्रियों को समय पर सूचना और पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध नहीं होती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
(घ) कोहरे के दौरान रेलगाड़ियों का सुरक्षित और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए कोहरे से सुरक्षा उपकरणों, उन्नत सिग्नल, लोको पायलटों के प्रशिक्षण और यात्री सूचना प्रणाली के संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं; और
(ङ) उक्त जिलों में कोहरे के दौरान रेल सेवाओं की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए सरकार की भावी कार्य योजना क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 11.02.2026 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 165 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): कोहरा और जलवायु संबंधी परिस्थितियां परिवहन के सभी साधनों यथा सड़क, रेल और वायुमार्ग को प्रभावित करती हैं। चूंकि रेल नेटवर्क जिलों की सीमाओं के आरपार फैला हुआ है, इसलिए रेलगाड़ियों को इन सीमाओं के आर-पार परिचालित किया जाता है। इसके अलावा, भारतीय रेल द्वारा गाड़ियों को समयानुसार और नियमित रूप से परिचालित करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाता है। बहरहाल, कोहरे के मौसम की स्थिति के कारण कभी-कभी गाड़ी सेवाओं का सामान्य परिचालन प्रभावित होता है, जिससे विलंब, रद्दकरण और आंशिक रद्दकरण हो सकता है।

वर्ष 2021-22 से 2025-26 की अवधि के दौरान, पूरे उत्तर रेलवे के नेटवर्क (जो सोनीपत और जींद क्षेत्रों को सेवा प्रदान करता है) पर परिचालित की जाने वाली लगभग 2.7% निर्धारित मेल/एक्सप्रेस गाड़ियां और पूरे उत्तर पश्चिम रेलवे के नेटवर्क (जो हिसार और हांसी क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान करता है) पर परिचालित की जाने वाली लगभग 0.8% निर्धारित मेल/एक्सप्रेस गाड़ियां दिसंबर से फरवरी के महीनों में कोहरे की स्थिति के कारण रद्द की गईं। इसी अवधि के दौरान, उत्तर रेलवे की 12.1% निर्धारित मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों और उत्तर पश्चिम रेलवे की 4.4% निर्धारित मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों का समयपालन प्रभावित हुआ।

कोहरे के दौरान संरक्षा संबंधी उपाय:

कोहरे और खराब मौसम के दौरान सुरक्षित गाड़ी परिचालन के संबंध में क्षेत्रीय रेलों के लिए विस्तृत दिशानिर्देश पहले से मौजूद हैं। समय-समय पर विशेष रूप से प्रत्येक वर्ष शीतकालीन मौसम की शुरुआत में क्षेत्रीय रेलों को ये अनुदेश दोहराए जाते हैं।

कोहरे के प्रभाव को कम करने, गाड़ियों के परिचालन में लोको पायलटों को सहायता पहुंचाने और कोहरे के मौसम में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेल ने विभिन्न उपाय किए हैं जिनमें निम्नानुसार शामिल हैं:-

- **लोको पायलटों को एक ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) आधारित पोर्टेबल 'फॉग सेफ डिवाइस' (एफएसडी) मुहैया कराया जा रहा है, जो खराब दृश्यता की स्थितियों जैसे कि कोहरे के दौरान आगामी महत्वपूर्ण स्थलों जैसे कि आने वाले सिगनल, समपार**

फाटक, स्थायी गति प्रतिबंध आदि को पहले से दर्शाता है। यह उपकरण विशेष रूप से सर्दियों के मौसम में सुरक्षित गाड़ी परिचालन के लिए और खराब दृश्यता की स्थितियों के दौरान चलती गाड़ियों में लोको पायलटों पर तनाव कम करने में सहायता पहुंचाने के लिए उपयोग किया जाता है। दिनांक 31.12.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 29,489 फॉग सेफ डिवाइस मुहैया कराए गए हैं।

- रेलखंडों में सुरक्षित और सुचारू गाड़ी परिचालन के लिए इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉक्ड सिगनल प्रणाली के साथ पूर्णतया अथवा स्वचालित रेलखंड परिचालन प्रणाली मुहैया कराई गई है। कोहरे के मौसम में काफी हद तक विलंब को कम करने के लिए दिल्ली - सोनीपत खंड में संशोधित सेमी-ऑटोमेटिक स्टॉप सिगनल की व्यवस्था की गई है, जहां स्वचालित सिगनल प्रणाली मुहैया कराई गई है।

कोहरे की स्थिति में कर्मचारियों का प्रशिक्षण:

रेल कर्मचारियों, जिनमें लोको पायलट और सहायक लोको पायलट शामिल हैं, को उनके करियर के विभिन्न चरणों में संरचित प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। लोको पायलट और सहायक लोको पायलट को प्रारंभिक प्रशिक्षण के दौरान और रेलवे प्रशिक्षण केंद्रों में आयोजित आवधिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में कोहरे से संबंधित संरक्षा पद्धतियों, विभिन्न संरक्षा संबंधी उपकरणों, वीसीडी, फॉगसेफ/फॉगपास डिवाइस की कार्यात्मकता पर संरचित प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। लोको पायलटों और सहायक लोको पायलटों के लिए प्रारंभिक, प्रोन्नति और पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों के लिए बनाए गए प्रशिक्षण मॉड्यूल में स्वचालित सिगनल प्रणाली की कार्यात्मकता, संरक्षा संबंधी विशेषताएं और आपातकालीन प्रोटोकॉल शामिल हैं।

नियत आवधिकता के अनुसार संबंधित कोटियों हेतु प्रारंभिक और पदोन्नति चरणों के लिए कवच प्रणाली सहित विस्तृत प्रशिक्षण मॉड्यूल उपलब्ध हैं, इसके साथ ही पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और विशेषीकृत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं, जिनमें व्यावहारिक पहलुओं पर जोर दिया गया है जो संपूर्ण संरक्षा और यात्री अनुभव पर ध्यान केंद्रित करते हुए कर्मचारियों के कौशल में वृद्धि और संबंधित उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ समायोजित करने में सहायता करते हैं। कार्यप्रणाली में प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए इन मॉड्यूलों को अद्यतन भी किया जाता है।

भारतीय रेल के विभिन्न स्थानों पर स्थित प्रशिक्षण केंद्रों में प्रारंभिक, पदोन्नति, पुनश्चर्या और विशेषीकृत प्रशिक्षण जैसे विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण प्रदान किए जाते हैं:-

- प्रारंभिक प्रशिक्षण - नए कर्मचारियों को रेल परिचालन और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराने के उद्देश्य से।
- प्रोन्नति प्रशिक्षण - कार्यरत कर्मचारियों को उच्चतर दायित्वों वाले पदों के लिए अग्रिम रूप से तैयार कराने के उद्देश्य से।
- पुनश्चर्या प्रशिक्षण - कार्यरत कर्मचारियों को उनके कार्यों में दक्षता बढ़ाने के लिए आवधिक रूप से नए विचारों और सिद्धांतों से अवगत कराने के उद्देश्य से।
- विशेषीकृत प्रशिक्षण - प्रौद्योगिकीय विकास, मात्रात्मक तकनीकों आदि जैसे यात्री आरक्षण प्रणाली, नए रेलइंजन, सिगनल प्रणाली, रेलपथ प्रौद्योगिकी आदि से संबंधित ज्ञान अद्यतन करने के उद्देश्य से।

भारतीय रेल में, यात्रियों तक जानकारी पहुँचाने के लिए एक सुव्यवस्थित प्रणाली है जिसके तहत गाड़ियों के मार्ग परिवर्तन, गाड़ी के गंतव्य पूर्व समाप्त होने, आंशिक रूप से रद्द होने और विलंब से चलने की स्थिति में यात्रियों को संदेश (एसएमएस) भेजा जाता है।

*****